



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 27, 1985/आषाढ़ 6, 1907

No. 15]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 27, 1985/ASADHA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269, घ (1) के अधीन सूचना

अहमदाबाद. 11 अप्रैल, 1985

निर्देश नं. पी. आर. नं. 3464/II/48-85 -
अतः मुझे पी. के पड़या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे हमने इससे पश्चात उक्त अधिनियम
कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं. ऑफिस नं. 903, बोम्बे मार्केट है
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; (37
ई ई का 16) के अधीन जुलाई, 84 को पूर्ववर्त

सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिण्य में कमी करने या उम्मे बचने में सुविधा के लिए और/या
अन्त/या

(ख) ऐसे आय या किसी वन या अन्य आभिनयों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी ब्रोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को ओ. सोसायटी सूरत ; अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी मै. गीता इन्टरप्राईजिज पारसी पंचायत, उमरवाडा, सूरत (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्द्वि

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार फॉर्म 37 ईटी पर कार्यालय में जुलाई, 84 को पेश किया गया है।

पी. के. पड्या, समक्ष प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 11-4-85

मोहर : अहमदाबाद

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II

Notice under Section 269D(1) of the Income-Tax
Act, 1961 (43 of 1961)

Ahmedabad, the 11th April, 1985

Ref. No. P.R. No. 3464 Acq. 23/II/84-85 :—Whereas, I G.K. Pandya being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Pedhi (Office) No. 903 Bombay Market, Surat. Form No. 370E is submitted in the office of the undersigned in July, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Bombay Market Art Silk Co-op. Socy.
Umarawada—Surat. Transferor(s)
- M/s. Gceta Enterprises,
53/140—Parsi Panchayat,
Umarawada—Surat. Transferee(s)
B/d Century Dyeing & Ptg. Mills.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in July, 84.

Date : 11-4-85

Seal :

G.K. PANDAY, Competent Authority
Ahmedabad Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range II,
Ahmedabad.